चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.3.23	2	3-5

एचएयू की एनएसएस इकाई के 5 सदस्यों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई की पांच सदस्यीय टीम को राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत बेहतरीन प्रदर्शन करने पर पंचकूला में सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अगुवाई में विश्वविद्यालय की टीम में एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह व स्वयंसेवक अभिषेक को वर्ष 2019-20 व अक्षय महता को वर्ष 2020-21 में प्राप्त राष्ट्रीय पुरस्कार व अन्य दो छात्र रुचिका व उमेश को गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर हरियाणा का नेतृत्व करने के अंतर्गत राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा सम्मानित किया गया।

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने बताया कि हरियाणा राजभवन में उच्चतर शिक्षा निदेशालय द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय मौजूद थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्चतर शिक्षा विभाग के मंत्री मूलचंद शर्मा ने की। सम्मान समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के 20 स्वयंसेवक शामिल हुए, जिनमें एचएयू की एनएसएस ईकाई के एक कार्यक्रम अधिकारी व 4 स्वयंसेवक शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	30.3.23	4	2-3

हकृवि की एन.एस.एस. इकाई के 5 सदस्यों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

हिसार, 29 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई की 5 सदस्यीय टीम को राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत बेहतरीन प्रदर्शन करने पर पंचकूला में सम्मानित किया गया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अगुवाई में विश्वविद्यालय की टीम में एन.एस.एस. के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह व स्वयंसेवक अभिषेक को वर्ष 2019-20 व अक्षय महता को वर्ष 2020-21 में प्राप्त राष्ट्रीय पुरस्कार व अन्य 2 छात्र रुचिका व उमेश को गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्त्तव्य पथ पर हरियाणा का नेतृत्व करने के अंतर्गत माननीय राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा सम्मानित किया गया।

कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने बताया कि हरियाणा राजभवन में उच्चतर शिक्षा निदेशालय द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय मौजूद थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्चतर शिक्षा विभाग के मंत्री मूलचंद शर्मा ने की। उन्होंने बताया कि सम्मान समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के 20 स्वयंसेवक शामिल हुए, जिनमें एच.ए.यू. की एन.एस.एस. ईकाई के एक कार्यक्रम अधिकारी व 4 स्वयंसेवक शामिल थे।

सम्मान ग्रहण करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य एन.एस.एस. इकाई के सदस्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30.3.23	3	6

सदस्यों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई की पांच सदस्यीय टीम को राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत बेहतरीन प्रदर्शन करने पर पंचकूला में सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज की अगुवाई में एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह, स्वयंसेवक अभिषेक, अक्षय महता, रुचिका व उमेश को राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सम्मानित किया। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति ने टीम को बधाई दी। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के साथ उच्चतर शिक्षा विभाग के मंत्री मूलचंद शर्मा भी उपस्थित रहे। समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रदेश के 20 स्वयंसेवक शामिल हुए। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	30.3.22	5	1-2

एनएसएस इकाई के 5 सदस्य सम्मानित

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से सम्मान प्राप्त करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य एनएसएस इकाई के सदस्य। -निस

हिसार (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि की एनएसएस इकाई की पांच सदस्यीय टीम को एनएसएस के अंतर्गत बेहतरीन प्रदर्शन करने पर पंचकूला में सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की अगुवाई में टीम में एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह व स्वयंसेवक अभिषेक को 2019-20 व अक्षय मेहता को 2020-21 में प्राप्त राष्ट्रीय पुरस्कार व अन्य दो छात्र रुचिका व उमेश को राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि हरियाणा राजभवन में उच्चतर शिक्षा निदेशालय द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्चतर शिक्षा विभाग के मंत्री मूलचंद शर्मा ने की। सम्मान समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के 20 स्वयंसेवक शामिल हुए, जिनमें हकृवि की एनएसएस ईकाई के एक कार्यक्रम अधिकारी व 4 स्वयंसेवक शामिल थे। इस मौके पर एनएसएस के क्षेत्रीय निदेशक जांगजिलोंग व राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	30.3.23	12	1

एचएयू के 5 कैडेट्स राज्यपाल से सम्मानित

हिसार। एचएयू एनएसएस ईकाई की पांच सदस्यीय टीम को बेहतरीन प्रदर्शन करने पर राज्यपाल ने सम्मानित किया। कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज की अगुवाई में समन्वयक डॉ. भगत सिंह व स्वयंसेवक अभिषेक व अक्षय महता को राष्ट्रीय व अन्य दो छात्र रूचिका व उमेश को गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर प्रदेश का नेतृत्व करने पर सम्मानित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	30.03.2023	-------	--------

एचएयू की एनएसएस ईकाई के 5 सदस्यों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

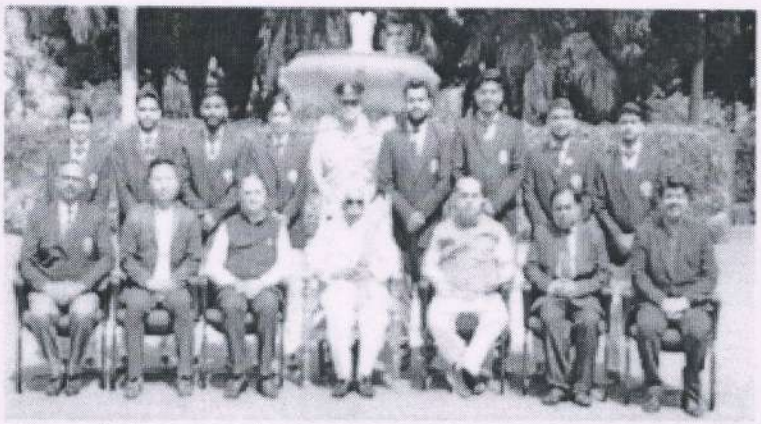

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एनएसएस ईकाई की पांच सदस्यीय टीम को राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत बेहतरीन प्रदर्शन करने पर पंचकूला में सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अगुवाई में विश्वविद्यालय की टीम में एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह व स्वयंसेवक अभिषेक को वर्ष 2019-20 व अक्षय महता को वर्ष 2020-21 में प्राप्त राष्ट्रीय पुरस्कार व अन्य दो छात्र रूचिका व उमेश को गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्त्तव्य पथ पर हरियाणा का नेतृत्व करने के अंतर्गत माननीय राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति ने टीम को बधाई दी व साथ ही टीम के सदस्यों का हौंसला बढ़ाया। कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने बताया कि हरियाणा राजभवन में उच्चतर शिक्षा निदेशालय द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय मौजूद थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्चतर शिक्षा विभाग के मंत्री मूलचंद शर्मा ने की। उन्होंने बताया कि सम्मान समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के 20 स्वयंसेवक शामिल हुए, जिनमें एचएयू की एनएसएस ईकाई के एक कार्यक्रम अधिकारी व 4 स्वयंसेवक शामिल थे। इस अवसर पर एनएसएस के क्षेत्रीय निदेशक जांगजिलोंग व राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
इंडिया न्यूज	30.03.2023	--	--

एचएयू की एनएसएस ईकाई के 5 सदस्यों को राज्यपाल ने किया सम्मानित2

TOP By admin
Mar 29, 2023

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एनएसएस ईकाई की पांच सदस्यीय टीम को राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत बेहतरीन प्रदर्शन करने पर पंचकूला में सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अगुवाई में विश्वविद्यालय की टीम में एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह व स्वयंसेवक अभिषेक को वर्ष 2019-20 व अक्षय मेहता को वर्ष 2020-21 में प्राप्त राष्ट्रीय पुरस्कार व अन्य दो छात्र रुचिका व उमेश को गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्तव्य पथ पर हरियाणा का नेतृत्व करने के अंतर्गत माननीय राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय द्वारा सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति ने टीम को बधाई दी व साथ ही टीम के सदस्यों का हौसला बढ़ाया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हरियाणा राजभवन में उच्चतर शिक्षा निदेशालय द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा के राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय मौजूद थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्चतर शिक्षा विभाग के मंत्री मूलचंद शर्मा ने की। उन्होंने बताया कि सम्मान समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के 20 स्वयंसेवक शामिल हुए, जिनमें एचएयू की एनएसएस ईकाई से एक कार्यक्रम अधिकारी व 4 स्वयंसेवक शामिल थे। इस अवसर पर एनएसएस के क्षेत्रीय निदेशक जोंगजिलोंग व राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	30.3.23	5	5-8

कपास में गुलाबी सुंडी के प्रबंधन के लिए बेहतर रणनीति बनाना जरूरी : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 29 मार्च (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फ्लैचर भवन में बीटी कपास में गुलाबी सुंडी के प्रकोप एवं प्रबंधन रणनीति विषय पर हितधारकों की प्री-सीजन रिव्यू मीटिंग हुई, जिसकी 'अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। मीटिंग में हरियाणा, पंजाब व राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों, कपास से जुड़ी बीज कंपनियों व किसानों ने भाग लिया व कपास की फसल की आगामी स्थिति पर मंत्रणा कर रणनीति तैयार की।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि उत्तर भारत के जिन क्षेत्रों में नरमा का उत्पादन किया जाता है उनकी भौगोलिक स्थिति व मृदा जांच करवाकर उर्वरा शक्ति के बारे में भी जानना जरूरी है। उन्होंने बताया कि कपास फसल में गुलाबी सुंडी, सफेद मक्खी, पत्ता मरोड़ रोग जैसी अनेक समस्याओं का समाधान करना जरूरी है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे समय-समय पर नरमा पर आधारित संयुक्त एडवाइजरी जारी करते रहे ताकि किसानों को कपास से संबंधित किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े। इस मीटिंग में हरियाणा, पंजाब व राजस्थान में कपास की आगामी स्थिति पर मंत्रणा कर रणनीति तैयार की।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि कपास की फसल में कीट प्रबंधन व देशी कपास के बीज उत्पादन से संबंधित महत्पपूर्ण जानकारियां किसानों तक समयानुसार पहुंचानी आवश्यक है ताकि उन्हें उनका लाभ मिल सकें। उन्होंने बताया कि बिजाई के समय नहर के पानी की व्यवस्था होने से भी किसानों को लाभ मिलेगा।

कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार यादव ने हरियाणा राज्य में उगाई जाने वाली नरमा फसल के बेहतर प्रबंधन पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। लुधियाना के कृषि विश्वविद्यालय से आए प्रधान वैज्ञानिक डॉ. परमजीत सिंह ने पंजाब राज्य में नरमा फसल संबंधित अनुभवों को साझा किया। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक (कपास) डॉ. आर.पी.सिहाग ने सरकार द्वारा किसानों को फसलों से संबंधित दी जा रही स्कीमों के बारे में बताया। साथ ही किसानों से टपका विधि को ज्यादा से ज्यादा अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कपास के बीज तैयार करने वाले किसानों को समय-समय पर सहयोग करने का भी आश्वासन दिया। आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर कॉटन रिसर्च, सिरसा के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. ऋषि कुमार ने गुलाबी सुण्डी, सफेद मक्खी व पत्ता मरोड़ के लिए की गई सिफारिशों और उत्तरी भारत में नरमा के अच्छे उत्पादन के लिए रणनीति पर रिपोर्ट भी प्रस्तुत की।

मीटिंग में कपास उगाने वाले जिले सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी, जींद, रोहतक, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, कैथल, चरखी-दादरी व झज्जर जिलों के उप-निदेशक (कृषि) व अन्य कृषि अधिकारियों व किसानों ने भाग लिया। कपास फसल के बीज उत्पादन से जुड़ी निजी बीज कंपनियां राशी सीड, श्रीराम बॉयो सीड, सीड वर्क्स, अंकुर सीड, अजीत सीड के प्रतिनिधियों ने इस मीटिंग में भाग लिया व गुलाबी सुण्डी के प्रबंधन में सहयोग करने की प्रतिबद्धता दिखाई। रिव्यू मीटिंग में मौजूद किसानों ने बीते साल अपने-अपने क्षेत्र में कपास की स्थिति व उसमें आई समस्याओं से अवगत कराया, जिनका वैज्ञानिकों ने निवारण भी बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.3.23	4	6-8

कपास में नुकसान करने वाली गुलाबी सुंडी के प्रबंधन को लेकर एचएयू में विचार-विमर्श

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फ्लैचर भवन में बीटी कपास में गुलाबी सुण्डी के प्रकोप एवं प्रबंधन रणनीति विषय पर हितधारकों की प्री-सीजन रिव्यू मीटिंग हुई, जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। मीटिंग में हरियाणा, पंजाब व राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों, कपास से जुड़ी बीज कंपनियों व किसानों ने हिस्सा लिया व कपास की फसल की आगामी स्थिति पर मंत्रणा कर रणनीति तैयार की।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि उत्तर भारत के जिन क्षेत्रों में नरमा का उत्पादन किया जाता है। उनकी भौगोलिक स्थिति व मृदा जांच करवाकर उर्वरा शक्ति के बारे में भी जानना जरूरी है। कपास फसल में गुलाबी सुण्डी, सफेद मक्खी, पत्ता मरोड़ रोग जैसी अनेक समस्याओं का समाधान करना जरूरी है।

एचएयू के फ्लैचर भवन में कार्यशाला में दिशा-निर्देश देते कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज।

इन जिलों के अधिकारियों और किसानों ने लिया भाग

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि कपास की फसल में कीट प्रबंधन व देशी कपास के बीज उत्पादन से संबंधित महत्पपूर्ण जानकारियां किसानों तक समयानुसार पहुंचानी आवश्यक है। मीटिंग में कपास उगाने वाले जिले सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी, जींद, रोहतक, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, कैथल, चरखी-दादरी व झज्जर जिलों के उप-निदेशक (कृषि) व अन्य कृषि अधिकारियों व किसानों ने भाग लिया। कपास फसल के बीज उत्पादन से जुड़ी निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों ने मीटिंग में भाग लिया व गुलाबी सुण्डी के प्रबंधन में सहयोग करने की प्रतिबद्धता दिखाई। मीटिंग में मौजूद किसानों ने बीते साल अपने-अपने क्षेत्र में कपास की स्थिति व उसमें आई समस्याओं से अवगत कराया, जिनका वैज्ञानिकों ने निवारण भी बताया।

टपका विधि अपनाने की अपील

कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार यादव ने हरियाणा राज्य में उगाई जाने वाली नरमा फसल के बेहतर प्रबंधन पर चर्चा की। लुधियाना के कृषि विवि से आए प्रधान वैज्ञानिक डॉ. परमजीत सिंह ने पंजाब राज्य में नरमा फसल संबंधित अनुभवों को साझा किया। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक (कपास) डॉ. आर.पी. सिहाग ने सरकार द्वारा किसानों को फसलों से संबंधित स्कीमों के बारे में बताया। किसानों से टपका विधि को ज्यादा अपनाने पर जोर दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	30.7.22	3	3-6

कपास में गुलाबी सुण्डी की रोकथाम के लिए बेहतर रणनीति बनाना जरूरी : प्रो. काम्बोज

» कपास में नुक्सान करने वाली गुलाबी सुण्डी के प्रबंधन के लिए हुई प्री-सीजन रिव्यू मीटिंग

हिसार, 29 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फ्लैचर भवन में बीटी कपास में गुलाबी सुण्डी के प्रकोप एवं प्रबंधन रणनीति विषय पर हितधारकों की प्री-सीजन रिव्यू मीटिंग हुई, जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। इस मीटिंग में हरियाणा, पंजाब व राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों, कपास से जुड़ी बीज कंपनियों व किसानों ने भाग लिया व कपास की फसल की आगामी स्थिति पर मंत्रणा कर रणनीति तैयार की।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि उत्तर भारत के जिन क्षेत्रों में नरमा का उत्पादन किया जाता है उनकी भौगोलिक स्थिति व मृदा जांच करवाकर उर्वरा शक्ति के बारे में भी जानना जरूरी है। उन्होंने बताया कि कपास फसल में गुलाबी सुण्डी, सफेद मक्खी, पत्ता मरोड़ रोग जैसी अनेक समस्याओं का समाधान करना जरूरी है। इस मीटिंग में हरियाणा, पंजाब व राजस्थान में कपास की आगामी स्थिति पर मंत्रणा कर रणनीति तैयार की।

एच.ए.यू. में आयोजित कार्यशाला में दिशा-निर्देश देते कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि कपास की फसल में कीट प्रबंधन व देशी कपास के बीज उत्पादन से संबंधित महत्पपूर्ण जानकारियां किसानों तक समयानुसार पहुंचानी आवश्यक है, ताकि उन्हें उनका लाभ मिल सकें। लुधियाना के कृषि विश्वविद्यालय से आए प्रधान वैज्ञानिक डॉ. परमजीत सिंह ने पंजाब राज्य में नरमा फसल संबंधित अनुभवों को साझा किया। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक (कपास) डॉ. आर.पी. सिहाग ने सरकार द्वारा किसानों को फसलों से संबंधित दी जा रही स्कीमों के बारे में बताया। साथ ही किसानों से टपका विधि को ज्यादा से ज्यादा अपनाने पर जोर दिया।

आई.सी.ए.आर.-सैंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर कॉटन रिसर्च, सिरसा के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. ऋषि कुमार ने गुलाबी सुण्डी, सफेद मक्खी व पत्ता मरोड़ के लिए की गई सिफारिशों और उत्तरी भारत में नरमा के अच्छे उत्पादन के लिए रणनीति पर रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। इस मीटिंग में कपास उगाने वाले जिले सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी, जींद, रोहतक, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, कैथल, चरखी-दादरी व झज्जर जिलों के उप-निदेशक (कृषि) व अन्य कृषि अधिकारियों व किसानों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	30.3.23	12	1

गुलाबी सुंडी प्रबंधन को बेहतर रणनीति जरूरी

हिसार। एचएयू के फ्लैचर भवन में बीटी कपास में गुलाबी सुंडी के प्रकोप एवं प्रबंधन रणनीति विषय पर हितधारकों की प्री-सीजन रिव्यू मीटिंग हुई। विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की। इस मीटिंग में हरियाणा, पंजाब व राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों, कपास से जुड़ी बीज कंपनियों व किसानों ने भाग लिया व कपास की फसल की आगामी स्थिति पर मंत्रणा कर रणनीति तैयार की। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि उत्तर भारत के जिन क्षेत्रों में नरमा का उत्पादन किया जाता है, भौगोलिक स्थिति व मृदा जांच करवाकर उर्वरा शक्ति के बारे में भी जानना जरूरी है। उन्होंने बताया कि कपास फसल में गुलाबी सुंडी, सफेद मक्खी, पत्ता मरोड़ रोग जैसी अनेक समस्याओं का समाधान करना जरूरी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	29.03.2023	-------	--------

बुधवार, 29 मार्च, 2023

कपास में गुलाबी सुण्डी के प्रबंधन के लिए बेहतर रणनीति बनाना जरूरी : प्रो. काम्बोज

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.03.2023	--	--

कपास में नुकसान करने वाली गुलाबी सुण्डी के प्रबंधन के लिए हुई प्री-सीजन रिव्यू मीटिंग

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बीटी कपास में गुलाबी सुण्डी के प्रकोप एवं प्रबंधन रणनीति विषय पर हितधारकों की प्री-सीजन रिव्यू मीटिंग हुई, जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। मीटिंग में हरियाणा, पंजाब व राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया व कपास की फसल की आगामी स्थिति पर मंत्रणा कर रणनीति तैयार की। कुलपति ने बताया कि बताया कि कपास फसल में गुलाबी सुण्डी, सफेद मक्खी, पत्ता मरोड़ रोग जैसी अनेक समस्याओं का समाधान करना जरूरी है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे समय-समय पर नरमा पर आधारित संयुक्त एडवाइजरी जारी करते रहे ताकि किसानों को कपास से संबंधित किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े। इस मीटिंग में हरियाणा, पंजाब व राजस्थान में कपास की आगामी स्थिति पर मंत्रणा कर रणनीति तैयार की। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि कपास की फसल में कीट प्रबंधन व देशी कपास के बीज उत्पादन से संबंधित जानकारियां किसानों तक समयानुसार पहुंचानी आवश्यक है ताकि उन्हें उनका लाभ मिल सकें। उन्होंने बताया कि बिजाई के समय नहर के पानी की व्यवस्था होने से भी किसानों को लाभ मिलेगा। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार यादव ने हरियाणा में उगाई जाने वाली नरमा फसल के बेहतर प्रबंधन पर चर्चा की। लुधियाना के कृषि विश्वविद्यालय से आए प्रधान वैज्ञानिक डॉ. परमजीत सिंह ने पंजाब में नरमा फसल संबंधित अनुभवों को साझा किया। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक (कपास) डॉ. आर.पी. सिहाग ने सरकार द्वारा किसानों को फसलों से संबंधित दी जा रही स्कीमों के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.3.23	4	1-4

भास्कर खास • एचएयू के वैज्ञानिक प्रदेश के किसानों को निःशुल्क दे रहे केंचुआ खाद बनाने का प्रशिक्षण

रसोई से निकले सब्जियों के टुकड़ों और कचरे से 45 दिन में बनाएं केंचुआ खाद, भूमि में ऑर्गेनिक कार्बन बढ़ाएगी

महबूब अली | हिसार

आजकल लोग रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक खाद को एक बेहतर विकल्प मानते हैं। इससे निजी उपभोग के लिए उगाई जाने वाली सब्जियों व अन्य खाद्यान्न फसलों के लिए वर्मी कंपोस्ट (केंचुआ खाद) इस्तेमाल कर रहे हैं, क्योंकि इसमें पोषक तत्वों की मात्रा अन्य कंपोस्ट से अधिक होती है। वर्मी कंपोस्ट को आसानी से रसोई से निकलने वाले सब्जियों के टुकड़ों और कचरे से भी आसानी से बनाया जा सकता है। एचएयू में इसके लिए किसानों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है।

दो विधियों से तैयार होती है वर्मी कंपोस्ट

सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके ठकराल ने बताया कि वर्मी कंपोस्ट को तैयार करने की दो विधियां हैं। पहली- पाट विधि, दूसरी- सरफेस विधि। पाट विधि में घरेलू स्तर पर कम मात्रा में वर्मी कंपोस्ट तैयार किया जाता है। जबकि दूसरी विधि, सरफेस विधि में कंपोस्ट तैयार करने के लिए शेड का प्रयोग किया जाता है। इस विधि द्वारा 45 दिनों में कंपोस्ट तैयार होती है। सरफेस विधि में गड्ढे के ऊपर घास या नारियल के छिलकों का प्रयोग करते है।

भूमि जलग्रहण क्षमता बढ़ती है

डॉ. सतपाल ने बताया कि वर्मी कंपोस्ट चायपत्ती के समान दानेदार होता है। जिसका रंग काला व भूरा होता है। इससे बदबू नहीं आती है। इसके प्रयोग से भूमि उपजाऊ बनती है।

2 माह में आसानी से तैयार कर सकते हैं जैविक खाद

एचएयू कुलपति बी. आर काम्बोज ने बताया कि वर्मी कंपोस्ट केंचुए की मदद से निर्मित जैविक खाद है, जिसे 45 से 60 दिन में तैयार किया जाता है। उन्होंने बताया कि वर्मी कंम्पोस्ट में 1 से 2.5% नाइट्रोजन, 0.75 से 1.5% फास्फोरस, 2 से 3% पोटाश, 3 से 4% कैल्शियम व 3 से 4% मैग्नीशियम होता है, जो फसलों के विकास में मदद करता है।